संसदीय शासन व्यवस्था

शिक्षण अधिगम प्रक्रियाएं	संबंधित सिखने के प्रति फल
▪ संसदीय शासन व्यवस्था पर परिचर्चा में भाग लेना। ▪ राज्य के संसदीय क्षेत्र को मानचित्र पर ढूँढ़ना। ▪ लोकसभा निर्वाचन की प्रक्रिया पर परियोजना कार्य करना।	▪ संसदीय और अध्यक्षीय शासन प्रणाली में अंतर करते हैं। ▪ राज्य के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के मानचित्र पर अपना निर्वाचन क्षेत्र पहचानते हैं और स्थानीय सांसद का नाम जानते हैं। ▪ लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जहाँ एक सफल लोकतांत्रिक व्यवस्था है और इसका हिस्सा होने पर हमें गर्व है।

इस पाठ में हम लोकतान्त्रिक सरकार के लिए जनता की सहमति एवं निर्णय प्रक्रिया में सहभागिता के महत्व को जानेंगे।

लोकतान्त्रिक व्यवस्था में शासन के दो स्वरुप प्रचलित हैं– अध्यक्षात्मक लोकतंत्र एवं संसदात्मक लोकतंत्र। अध्यक्षीय व्यवस्था में राज्य एवं शासन का प्रधान एक ही व्यक्ति होता है और कार्यपालिका एवं व्यवस्थापिका अलग अलग होती है। राज्य और शासन का प्रधान प्रत्यक्ष रूप से जनता के मतों से चुना जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली अपनाई गई है। जबकि संसदीय लोकतंत्र में राज्य का प्रधान अप्रत्यक्ष रूप से परन्तु शासन का प्रधान जनता के प्रतिनिधि के रूप में जनता के मतों से निर्वाचित होता है। संसदीय शासन प्रणाली इंग्लैंड में अपनाई गयी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे अच्छी अभिव्यक्ति संसद के रूप में दिखाई देती है। भारत दो सौ वर्षो तक ब्रिटेन के कब्जे में रहा और संसदीय शासन पद्धति का प्रशिक्षण यहाँ के प्रतिनिधियों एवं जनता को मिल चुका था। अतः जब संविधान सभा में भारत के लिए शासन व्यवस्था चुनने की बारी आई तो विशेषज्ञों ने संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया।

भारत में संसदीय शासन व्यवस्था क्यों अपनाई गयी ?

यदि भारत में संसदीय शासन व्यवस्था को अपनाये जाने के कारणों को जानने की कोशिश करें तो निम्नलिखित कारण बताये जा सकते हैं–

©JCERT not to be republished

1. एतिहासिक अनुभव

ब्रिटिश काल में अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष में भारतीयों ने बहुत पीड़ा झेली किन्तु इसी काल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी स्थापना यानि 1885 ई. से ही निर्वाचित विधायिका की माँग शुरू की और उसके लिए दबाव बनाये रखा। अन्य संगठनों ने भी ऐसे ही माँग रखे। फलतः 1909 में भारत शासन अधिनियम अस्तित्व में आया। इस अधिनियम में प्रतिनिधियों को निर्वाचित करने का अधिकार तो मिला किन्तु यह सार्वजनिक वयस्क मताधिकार के रूप में नहीं था। ब्रिटिश सरकार ने आगे 1919 और 1935 के भारत शासन अधिनियम बनाये। इन अधिनियमों से हमारे नेताओं और आम जनता को संसदीय पद्धति का प्रशिक्षण मिल गया था। इसी के कारण इस सिस्टम को अपनाया गया।

2. भारतीयों की अपेक्षाएं

संविधान निर्माता ऐसी उत्तरदायी शासन व्यवस्था चाहते थे जो जनता के प्रति उत्तरदायी रहे और यह तभी संभव था जब शासन के प्रतिनिधि उन्हीं के बीच से और उन्हीं के द्वारा चुने गए हों। ऐसा केवल संसदीय लोकतंत्र में संभव है। अतः इसे ही चुना गया।

3. सभी वर्गों के हितों का संरक्षण

विविधताओं वाले देश भारत मे जहाँ इतने धर्मों, जातिओं, भाषाओं, सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि आदि की भिन्नता के लोग रहते हैं। वहां सबके हितों का ख्याल केवल संसदीय शासन से ही संभव समझा गया।

4. कार्यपलिका और विधायिका में उत्तम समन्वय

अध्यक्षीय शासन व्यवस्था में कार्यपालिका और विधायिका में समन्वय के बजाय खींचतान होती है जबकि संसदीय शासन प्रणाली में विधायिका और कार्यकारी के बीच उत्तम समन्वय देखा जाता है, जो जनता के लिए अधिक हितकारी है। इसके कारण भी इस व्यवस्था को चुना गया।

5. उत्तरदायी शासन

संसदीय शासन व्यवस्था में कार्यपालिका, विधायिका के सदस्यों बीच से चुनी जाती है और उसी के प्रति उत्तरदायी होती है। संसद, कार्यपालिका के स्वेच्छाचारी होने या संविधान के विरुद्ध काम करने पर उसे अविश्वास प्रस्ताव के द्वारा कभी भी अपदस्थ कर सकती है। अतः यह शासन पद्धति स्वीकृत की गयी।

6. केंद्र और राज्यों के शासन में एकरूपता

हमारे देश के नीति निर्माता एक ऐसी शासन व्यवस्था अपनाना चाहते थे जिसमें केंद्र और राज्यों

© JCERT not to be republished

के शासन में एकरूपता रहे। यह संसदीय शासन व्यवस्था के द्वारा ही बेहतर ढंग से हो सकता है इसलिए भी संसदीय शासन पद्धति को चुना गया।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में भारतीय संविधान बना और यहां के नेताओं ने भारत में संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया।

प्रश्न उत्तर

(MCQ) सही विकल्प चुनें

प्रश्न 1. विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कौन है?
(क) इंग्लैंड (ख) अमेरिका
(ग) भारत (घ) चीन

प्रश्न 2. भारत में कैसी शासन पद्धति अपनाई गई है?
(क) अध्यक्षात्मक (ख) संसदात्मक
(ग) दोनों (घ) कोई नहीं

प्रश्न 3. भारत में संसदीय शासन व्यवस्था किस देश से ली गई है?
(क) अमेरिका (ख) इंग्लैंड
(ग) ऑस्ट्रेलिया (घ) जापान

प्रश्न 4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई?
(क) 1880 (ख) 1926
(ग) 1857 (घ) 1885

प्रश्न 5. किस शासन पद्धति में राज्य का प्रधान एवं शासन का प्रधान एक ही व्यक्ति होता है?
(क) संसदीय (ख) अध्यक्षीय
(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 6. किस शासन पद्धति में सरकार एवं राज्य का प्रधान अलग–अलग होते हैं?
(क) अध्यक्षीय (ख) संसदीय
(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर. 1. ग, 2. ख, 3. ख, 4. घ, 5. ख, 6. ख

संसद से क्या समझते हैं?

संसद नागरिक सहभागिता एवं सहमति की श्रेष्ठ अभिव्यक्ति है। सहमति को लोकतत्रं का प्रस्थान बिंदु कहा जाता है। संसद भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण एवं केंद्रीय प्रतीक है। संसद में जनता की सहभागिता और सहमति चुनाव के द्वारा प्रकट होती है। संसद सरकार को

© JCERT not to be republished

नियंत्रित और निर्देशित करती है। भारतीय संसद के तीन महत्वपूर्ण अंग है राष्ट्रपति, लोकसभा एवं राज्यसभा।

राष्ट्रपति

राष्ट्रपति भारतीय संसद का प्रमुख अंग है। राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य का सर्वोच्च संवैधानिक पद है। भारत का कोई भी नागरिक 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो, लाभ के पद पर कार्यरत नहीं हो और राष्ट्रपति चुने जाने की सारी अर्हताएं पूरी करता हो, जैसे पागल, दिवालिया या सजायाफ्ता नहीं हो, वह राष्ट्रपति चुना जा सकता है। राष्ट्रपति के चुनाव में लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभाओं के निर्वाचित प्रतिनिधि अपना मत देते हैं और एकल संक्रमणीय मत पद्धति से राष्ट्रपति का चुनाव होता है। राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक होता है। वह देश की तीनों सेनाओं का प्रधान भी होता है।

सदन से पारित कोई भी कानून राष्ट्रपति की स्वीकृति या उनके हस्ताक्षर के बाद कानून का रूप लेता है। वह बहुमत दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करता है। इसके अतिरिक्त मंत्री, राज्यों के राज्यपाल, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्ति की जाती है।

लोकसभा

लोकसभा संसद का निम्न सदन या प्रथम सदन कहलाता है। लोकसभा के सदस्यों के निर्वाचन के लिए पूरे देश को विभिन्न संसदीय क्षेत्रों में बांटा गया है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव होता है। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवार तथा अनेक व्यक्ति निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव में भाग लेते हैं। जनता इन सबको इनकी नीतियों एवं घोषणाओं के आधार पर वोट देती है। अपने क्षेत्र में सबसे अधिक वोट प्राप्त करने वाले लोकसभा सदस्य के रूप में चुन कर आते हैं। भारत का कोई भी नागरिक जिसने 25 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो और लाभ के पद पर न हो, साथ ही देशद्रोही, पागल, दिवालिया या न्यायालय के द्वारा सजाप्राप्त नहीं हो, वह लोकसभा सदस्य का चुनाव लड़ सकता है और संसद का सदस्य बन सकता है। भारत की लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 निर्धारित की गई है। वर्तमान समय में 543 स्थानों के लिए चुनाव होता है और दो एंग्लोइंडियन सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। हमारे राज्य झारखंड को 14 लोकसभा क्षेत्र में बांटा गया है। हर क्षेत्र से एक सांसद का निर्वाचन होता है। लोकसभा के निर्वाचित सदस्यों के बहुमत प्राप्त दल को सरकार बनाने का अवसर प्राप्त होता है, अन्य राजनीतिक दल विपक्षी दल की भूमिका निभाते हैं। इस तरह संसद के सदस्यों में से ही कार्यपालिका अर्थात् सरकार का चुनाव किया जाता है। भारत का प्रधानमंत्री लोकसभा में

© JCERT not to be republished

सत्ताधारी दल का मुखिया होता है। लोकसभा में जब किसी दल को बहुमत प्राप्त नहीं होता तो कई दल मिलकर बहुमत के आंकड़े को हासिल करते हैं और उन्हें सरकार बनाने का मौका मिलता है ऐसी सरकार को गठबंधन सरकार कहते हैं।

चलंत मतदान केंद्र में मतदान कराते कर्मी

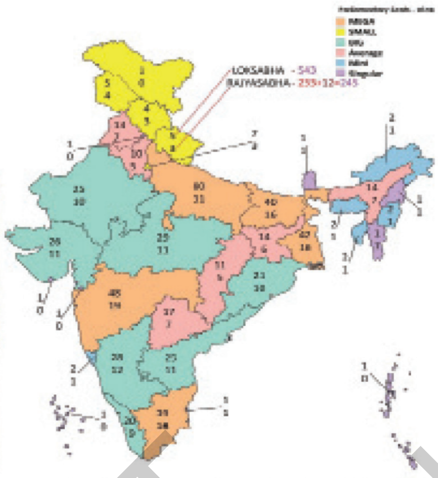

विभिन्न राज्यों में संसद सदस्यों की संख्या

स्रोत www.eci.gov.in

राज्यसभा

राज्यसभा संसद का उच्च सदन अथवा द्वितीय सदन कहलाता है। इसके सदस्यों का चुनाव राज्यों की विधानसभाओं के सदस्य के एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा किया जाता है। देश के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं और सदस्यों के बीच से एक उपसभापति का चुनाव भी किया जाता है। राज्यसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 होती है जिसमें 238 सदस्यों का चुनाव होता है और 12 सदस्य राष्ट्रपति के द्वारा मनोनीत किए जाते हैं। राज्यसभा को राज्यों की प्रतिनिधि सभा कहा जाता है। राज्यसभा में हर दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्यों के लिए चुनाव होता है। इनका चुनाव छः वर्षों के लिए होता है। इसके कारण यह ऊपरी सदन कभी भंग नहीं होती। अतः इसे स्थायी सदन भी कहा जाता है। राज्यसभा में समाज के प्रतिष्ठित लोगों को स्थान मिलने के कारण इसे एलीट सदन भी कहा जाता है।

संसद में समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए लोकसभा की सीटें आरक्षित की गयी हैं। भारत में महिलाओं की सदन में उपस्थिति अच्छी नहीं रही है। वर्तमान समय में भी केवल 14 प्रतिशत सीटों पर महिलाएं चुनी गयी हैं। अतः संसद में उनका प्रतिनिधित्व 33 प्रतिशत करने की मांग की जा रही है।

केंद्र की लोकसभा के समान ही राज्यों में विधानसभाओं एवं राज्यसभा की भांति विधानपरिषद की व्यवस्था होती है। हालांकि विधानपरिषद् की व्यवस्था केवल छः राज्यों में है। केंद्र सरकार केंद्रीय स्तर के या सारे देश के लिए आवश्यक विषयों पर काम करती है। जैसे वित्त, सुरक्षा, वैदेशिक मामले आदि। जबकि राज्य सरकारें अपने राज्य क्षेत्र के विषयों पर काम करती हैं।

© JCERT not to be republished

कुछ विषय अखिल भारतीय के साथ साथ राज्य स्तर के भी होते हैं। उन पर दोनों स्तर की सरकारें निर्णय लेती हैं।

क्रम संख्या	राज्य	लोकसभा सांसद	राज्यसभा सांसद	विधायक	विधान परिषद के सदस्य
1.	उत्तर प्रदेश	80	31	404	100
2.	महाराष्ट्र	48	19	289	78
3.	पश्चिम बंगाल	42	16	295*	...
4.	बिहार	40	16	243	75
5.	तमिलनाड	39	18	235*	...
6.	मध्य प्रदेश	29	11	231*	...
7.	कर्नाटक	28	12	225*	75
8.	गुजरात	26	11	182	...
9.	राजस्थान	25	10	200	...
10.	आंध्र प्रदेश	25	11	175	56
11.	ओडिशा	21	10	147	...
12.	केरल	20	9	141*	...
13.	तेलंगाना	17	7	120	34
14.	असम	14	7	126	...
15.	झारखंड	14	6	81	...
16.	पंजाब	13	7	117	...
17.	छत्तीसगढ़	11	5	91*	...
18.	हरियाणा	10	5	90	...
*	जम्मू कश्मीर	राज्य नहीं रहा			
19.	उत्तराखण्ड	5	3	70	...
20.	हिमाचल प्रदेश	4	3	68	...
21.	अरुणाचल प्रदेश	2	1	60	...
22.	गोआ	2	1	40	...
23.	मणिपुर	2	1	60	...
24.	मेघालय	2	1	60	...
25.	त्रिपुरा	2	1	60	...
26.	मिजोरम	1	1	40	...
27.	नागालैंड	1	1	60	...
28.	सिक्किम	1	1	32	...

© JCERT not to be republished

1.	दिल्ली	7	3	70	...
2.	पुडुचेरी	1	1	30	...
3.	अंडमान एवं निकोबार	1	...	...	...
4.	चंडीगढ़	1	...	...	...
5.	दादरा और नगर हवेली	1	...	...	...
6.	दमन और दीव	1	...	...	...
7.	लक्षद्वीप	1	...	...	...
8.	जम्मू कश्मीर	5	...	...	...
9.	लद्दाख	1	...	...	...
*	नामित	2	12	...	...
	कुल	545	245	...	...
*इन राज्यों में राज्यपाल द्वारा कुछ सदस्यों को मनोनीत/नामित किया जाता है।					

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न सही विकल्प चुने

प्रश्न 1. संसद के कितने अंग हैं?

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार

प्रश्न 2. लोकसभा के अधिकतम निर्वाचित सदस्यों की संख्या कितनी हो सकती है?

(क) 540 (ख) 560

(ग) 552 (घ) 550

प्रश्न 3. लोकसभा में कितने सदस्य मनोनीत किए जाते हैं?

(क) 2 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 12

प्रश्न 4. वर्तमान समय में लोकसभा के कितने सदस्यों का निर्वाचन होता है?

(क) 548 (ख) 543

(ग) 550 (घ) 560

प्रश्न 5. लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु क्या निर्धारित है?

(क) 25 (ख) 30

(ग) 35 (घ) 21.

प्रश्न 6. राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या बताइए।

(क) 250 (ख) 235

(ग) 252 (घ) 225

प्रश्न 7. राज्य सभा के कितने सदस्यों का निर्वाचन होता है?

(क) 225 (ख) 235

(ग) 238 (घ) 212

प्रश्न 8. राज्यसभा का सदस्य चुने जाने की न्यूनतम आयु क्या है?

(क) 21 (ख) 25

(ग) 35 (घ) 30

उत्तर. 1–(ग), 2.–(घ), 3 –(क), 4.–(ख), 5.–(क), 6.–(क), 7.–(ग), 8.–(घ)

संसद के महत्वपूर्ण कार्य

भारत की संसद विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का नियंत्रण, मार्गदर्शन और स्तरोन्नयन करती है। यह लोकतंत्र में भारत की जनता की आस्था का प्रतीक है। भारत की संसद के प्रथम या निम्न सदन लोकसभा के लिए हर 5 वर्ष में चुनाव होता है और चुनावों में जनता की भागीदारी, निर्णय निर्माण की प्रक्रिया एवं शासन में जनता की हिस्सेदारी और सहमति को व्यक्त करता है। इन चुनाव में मत प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है जो लोकतंत्र की स्वीकार्यता बढ़ने का द्योतक है। संसद के महत्वपूर्ण कार्य निम्नलिखित हैं–

(क) राष्ट्रीय सरकार का चुनाव

जैसा कि इस पाठ में हमने देखा, लोकसभा के कुल निर्वाचित सदस्यों की संख्या 543 है और सरकार बनाने के लिए लोकसभा में बहुमत की आवश्यकता होती है। अतः जिस दल को 272 से अधिक सीटें प्राप्त हो जाए, उन्हें सरकार बनाने का मौका मिलता है। हमने यह भी जाना की यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो कई दल या गठबंधन मिलकर 272 सदस्यों के समर्थन का आंकड़ा जुटाकर सरकार बनाते हैं। ऐसी सरकार को गठबंधन सरकार कहा जाता है। इस तरह संसद का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय सरकार का निर्माण करना है। केंद्र सरकार में राज्यसभा के सदस्य भी मंत्री बनाए जाते हैं।

राष्ट्रपति किसी गैर सदस्य को भी केंद्र में मंत्री नियुक्त कर सकते हैं किन्तु ऐसे मंत्री को 6 महीने के अंदर किसी भी सदन की सदस्यता प्राप्त करना अनिवार्य है।

(ख) सरकार को नियंत्रित करना, मार्गदर्शन देना और जानकारी देना

संसद का सत्र चल रहे होने पर प्रश्नकाल के माध्यम से सांसद सरकार के कामकाज के बारे

© JCERT not to be republished

में प्रश्न पूछते हैं। उसकी खामियों के बारे में आगाह करते हैं। जनप्रतिनिधियों के प्रश्नों के द्वारा सरकार को जनता की राय जानने का मौका भी मिलता है। सरकार के कामों से असंतुष्ट होने पर संसद सदस्य उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव, निंदा प्रस्ताव, कार्य स्थगन प्रस्ताव, आदि कई तरीके से सरकार को नियंत्रित रखते हैं। लोकतत्रं को स्वस्थ रखने के लिए विपक्षी दलों की अहम भूमिका है। वे सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की कमियों को जनता को बताते हैं और अपनी नीतियां जनता के सामने पेश करते हैं, ताकि सरकार के निरंकुश स्वेच्छाचारी या नियम विरुद्ध होने पर वे बेहतर विकल्प के रूप में आगामी चुनाव में अपने पक्ष को रख सकें।

संसद सदस्यों का आचरण देश की जनता के लिए उदाहरण होता है और आमजन उनका अनुसरण करते हैं। संसद सदस्यों का आचरण प्रशंसनीय एवं लोकतंत्र की मर्यादा के अनुकूल होना चाहिए। कई बार नई मशीनों पर सदस्यों का व्यवहार उचित प्रतीत नहीं होता खासकर तब जब जनता उनके सदन के अंदर के कार्यों को लाइव देखती है। किंतु शायद लाइव देखे जाने के लोभ में सांसद लोकतांत्रिक मर्यादा की सीमाएं कई बार लांघ जाते हैं। फिर भी भारत की संसद विश्व देशों के लिए उदाहरण है और दुनिया के देशों के नागरिक अपने देश में भी ऐसा ही लोकतंत्र और ऐसी ही स्वतंत्रता की कामना करते हैं।

स्मरणीय तथ्य

वयस्क मताधिकार— संविधान द्वारा स्वीकृत 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर सभी नागरिकों को प्राप्त वोट देने का अधिकार।

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर

1. निम्नलिखित कार्यों पर विचार करें और बताएं कि कौन से कार्य केंद्र और कौन से राज्य स्तर के हैं?

कॉलम—'ए'	कॉलम—'बी'
1. पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध।	केन्द्र
2. झारखंड के कक्षा—8 के बच्चों की बोर्ड परीक्षा।	राज्य
3. सभी नागरिकों को कोरोना का मुफ्त टीकाकरण।	केन्द्र
4. 200 रुपए का नोट जारी करना।	केन्द्र

2. सही विकल्प चुनकर उत्तर दें (MCQ)

प्रश्न 1. संसदीय शासन प्रणाली में राज्य का प्रधान होता है।

(क) वास्तविक (ख) नाममात्र

(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 2. राज्यसभा का सभापति होता है

(क) राष्ट्रपति (ख) प्रधानमंत्री

(ग) उपराष्ट्रपति (घ) स्पीकर

प्रश्न 3. भारत में मतदान की न्यूनतम आयु कितना वर्ष है?

(क) 21 (ख) 18

(ग) 25 (घ) 20

प्रश्न 4. वर्तमान समय में लोकसभा में कितने सदस्य निर्वाचित होते हैं

(क) 550 (ख) 543

(ग) 554 (घ) 552

प्रश्न 5. राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन कितने वर्षों के लिए होता है?

(क) 5 (ख) 4

(ग) 6 (घ) 3

प्रश्न 6. भारतीय संसद के कितने सदन हैं?

(क) दो (ख) तीन

(ग) एक (घ) चार

प्रश्न 7. राष्ट्रपति लोकसभा में कितने सदस्य को मनोनीत करते हैं?

(क) 12 (ख) 3

(ग) 5 (घ) 2

प्रश्न 8. लोकसभा के लिए झारखंड से कितने प्रतिनिधि चुने जाते हैं?

(क) 12 (ख) 15

(ग) 6 (घ) 14

प्रश्न 9. संसद की निम्न अथवा प्रथम सदन का नाम क्या है?

(क) लोकसभा (ख) राज्यसभा

(ग) विधानसभा (घ) विधानपरिषद

प्रश्न 10. लोकसभा के चुने हुए प्रतिनिधियों को कहा जाता है।

(क) विधायक (ख) सांसद

(ग) विधान पार्षद (घ) अध्यक्ष

प्रश्न 11. संसद के अंगों में निम्न में कौन शामिल नहीं है?

(क) राष्ट्रपति (ख) लोकसभा

(ग) विधानसभा (घ) राज्यसभा

© JCERT not to be republished

प्रश्न 12. लोकसभा में मनोनीत होने वाले सदस्य किस समुदाय से आते हैं?

(क) पारसी (ख) वैज्ञानिक

(ग) एंग्लो इंडियन (घ) विदेशी नागरिक

प्रश्न 13. सामान्य तौर पर लोकसभा का कार्यकाल कितने वर्षों का है?

(क) 6 (ख) 10

(ग) 4 (घ) 5

प्रश्न 14. संसदीय शासन प्रणाली भारत में किस देश से ली गई है?

(क) अमेरिका (ख) ऑस्ट्रेलिया

(ग) ब्रिटेन (घ) कनाडा

प्रश्न 15. लोकसभा में किस राज्य से सबसे ज्यादा सांसद चुने जाते हैं?

(क) उत्तर प्रदेश (ख) मध्य प्रदेश

(ग) झारखंड (घ) बिहार

उत्तर. 1.—ख, 2.—ग, 3.—ख, 4.—ख, 5.—ग, 6.—क, 7.—घ, 8.—घ, 9.—क, 10.—ख, 11.—ग, 12.—ग, 13.—घ, 14.—ग, 15.—क

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

1. लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु .... वर्ष है।
2. राज्यसभा में कुल .... सदस्य हो सकते हैं।
3. लोकसभा में शासक दल का नेता .... होता है।
4. .... राज्यसभा के सभापति का दायित्व निभाते हैं।
5. भारत में .... शासन प्रणाली अपनाई गई है।

उत्तर. 1.—25 वर्ष, 2.—250, 3.—प्रधानमंत्री, 4.—उपराष्ट्रपति, 5.—संसदीय.

4. कॉलम 'ए' एवं कॉलम 'बी' का उचित मिलान करें

कॉलम 'ए'	कॉलम 'बी'
1. लोकसभा	(क) लोकसभा राज्यसभा एवं राष्ट्रपति
2. राष्ट्रपति	(ख) संसद का निम्न या प्रथम सदन
3. राज्यसभा	(ग) राज्यसभा के सभापति
4. उपराष्ट्रपति	(घ) देश के कार्यकारी प्रधान
5. संसद	(च) संसद का उच्च या द्वितीय सदन

उत्तर. 1.—(ख) 2.—(घ) 3.—(च) 4.—(ग) 5.—(क)

© JCERT not to be republished

5. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सामान्य तौर पर लोकसभा का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
उत्तर. पांच वर्ष

प्रश्न 2. भारत में शासन की कौन सी पद्धति अपनाई गई है?
उत्तर. संसदीय शासन व्यवस्था

प्रश्न 3. संसद के किस सदन को स्थाई सदन कहा जाता है?
उत्तर. राज्यसभा

प्रश्न 4. लोकसभा में बहुमत प्राप्त करने के लिए कितने सदस्यों की आवश्यकता है?
उत्तर. 272 संसद सदस्य

प्रश्न 5. राज्यसभा में राष्ट्रपति कितने सदस्यों को मनोनीत करते हैं?
उत्तर. 12.

प्रश्न 6. राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्षों का है?
उत्तर. 6 वर्ष

प्रश्न 7. लोकसभा में कितने सदस्य निर्वाचित किए जाते हैं?
उत्तर. 543 सदस्य

प्रश्न 8. लोकसभा में मनोनीत सदस्यों की संख्या बताएं।
उत्तर. 2 सदस्य

प्रश्न 9. लोकसभा में सदन का नेता कौन होता है?
उत्तर. प्रधानमंत्री

प्रश्न 10. वर्तमान समय में देश में किस दल की सरकार है?
उत्तर. भारतीय जनता पार्टी ।

6. लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. भारतीय संसद के कितने अंग हैं?
उत्तर. भारतीय संसद के तीन अंग हैं– राष्ट्रपति, लोकसभा एवं राज्यसभा। लोकसभा संसद का प्रथम अथवा निम्न सदन कहलाता है जबकि राज्यसभा को संसद का द्वितीय अथवा उच्च सदन कहते हैं। संसद के शीर्ष पर राष्ट्रपति का स्थान होता है।

प्रश्न 2. लोकसभा में बहुमत की सरकार से क्या तात्पर्य है?
उत्तर. लोकसभा के निर्वाचित होने वाले सदस्यों की कुल संख्या 543 है। बहुमत से अभिप्राय है लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का आधे से अधिक अर्थात् 272 सांसद जो एक राजनीतिक दल अथवा गठबधंन के जीत कर आए हों। ऐसे बहुमत प्राप्त दल अथवा गठबंधन की सरकार बहुमत की सरकार कहलाती है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 3. गठबंधन सरकार से क्या समझते हैं?

उत्तर. जब लोकसभा चुनाव में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त ना हो और कई दल आपस में मिलकर बहुमत का आंकड़ा अर्थात् 272 सदस्यों का समर्थन हासिल कर सरकार बनाते हैं, तो इस तरह बनी सरकार गठबंधन सरकार कहलाती है।

प्रश्न 4. राष्ट्रपति के द्वारा लोकसभा एवं राज्यसभा में कितने सदस्यों का मनोनयन किया जाता है?

उत्तर. राष्ट्रपति के द्वारा लोकसभा में दो एंग्लो इंडियन सदस्य एवं राज्यसभा में 12 सदस्यों का मनोनयन किया जाता है।

प्रश्न 5. लोकसभा को लोकप्रिय सदन क्यों कहा जाता है?

उत्तर. लोकसभा के सदस्यों का चुनाव जनता के द्वारा वोट देकर किया जाता है। अतः इसे लोकप्रिय सदन कहा जाता है।

उत्तर. छात्र स्वयं करें

परियोजना कार्य–

1. आपके प्रदेश में लोकसभा के कितने संसदीय क्षेत्र हैं? राजनीतिक दलवार इन सांसदों का विवरण पता करें।
2. भारत में संसदीय शासन प्रणाली क्यों अपनाया गया?
   (Hints: प्रस्तुत पाठ के आरंभिक हिस्से में इसका उत्तर ढूँढ़े।)
3. भारतीय संसद की संरचना एवं इसके महत्व पर प्रकाश डालें।
   (Hints: इस पाठ एवं इंटरनेट की सहायता लें।)
4. संसदीय शासन प्रणाली अध्यक्षीय शासन प्रणाली से कैसे अलग है? पता करें।
   (Hints: इस पाठ एवं इंटरनेट की सहायता लें।)
5. आइये, ढूंढें, जाने और रिक्त स्थानों को भरें– (छात्र स्वयं करें)

प्रश्न	केन्द्र में	राज्य में
कौन–सा दल/गठबंधन सत्ता में है?		
आपके क्षेत्र का निर्वाचित प्रतिनिधि।		
अभी कौन–सा दल विपक्ष में है?		
पिछले चुनाव कब हुए थे?		
अगले चुनाव कब होंगे?		
आपके राज्य से कितनी महिला प्रतिनिधि हैं?		

© JCERT not to be republished